नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के तहत सत्र 2023-24 से पाठ्यपुस्तकों को पुनर्संयोजित किया गया है। यह संजीव पास बुक्स पूर्णतः नवीन पुनर्संयोजित पाठ्यपुस्तकों एवं नवीनतम परिवर्तित पाठ्यक्रम पर आधारित है।

पास बुक्स में नं. 1

संजीव®

पास बुक्स

हिन्दी-X

(कक्षा 10 के विद्यार्थियों के लिए)

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर द्वारा बोर्ड की website पर जून, 2023 में जारी पूर्णतः नवीन परिवर्तित पाठ्यक्रमानुसार

- माध्य. शिक्षा बोर्ड मॉडल पेपर 2022-23 एवं बोर्ड पेपर 2023 के प्रश्नों का अन्दर समावेश
- पाठ्यपुस्तक के सभी अभ्यास प्रश्नों का हल
- सभी प्रकार के अन्य महत्वपूर्ण प्रश्नों का समावेश
- योग्य एवं अनुभवी लेखकों द्वारा लिखित

2024

संजीव प्रकाशन,
जयपुर

मूल्य : ₹ 280/-

प्रकाशक :
संजीव प्रकाशन
धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता,
जयपुर-3
email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
website : www.sanjivprakashan.com

© प्रकाशकाधीन

मूल्य : ₹ 280.00

लेजर टाइपसैटिंग :
संजीव प्रकाशन (D.T.P. Department), जयपुर

मुद्रक :
पंजाबी प्रेस, जयपुर

★ ★ ★ ★

- इस पुस्तक में त्रुटियों को दूर करने के लिए हर संभव प्रयास किया गया है। किसी भी त्रुटि के पाये जाने पर अथवा किसी भी तरह के सुझाव के लिए आप हमें निम्न पते पर email या पत्र भेजकर सूचित कर सकते हैं—
  email : sanjeevprakashanjaipur@gmail.com
  पता : प्रकाशन विभाग
  संजीव प्रकाशन
  धामाणी मार्केट, चौड़ा रास्ता, जयपुर
  आपके द्वारा भेजे गये सुझावों से अगला संस्करण और बेहतर हो सकेगा।
- इस पुस्तक में प्रकाशित किसी त्रुटि के प्रति तथा इससे होने वाली किसी भी क्षति के लिए लेखक, प्रकाशक, संपादक तथा मुद्रक किसी भी रूप में जिम्मेदार नहीं हैं।
- सभी प्रकार के विवादों का न्यायिक क्षेत्र 'जयपुर' होगा।

माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, अजमेर द्वारा बोर्ड की website पर जून, 2023 में जारी नवीन परिवर्तित पाठ्यक्रम

हिन्दी X

इस विषय में एक प्रश्न-पत्र होगा जिसकी परीक्षा योजना निम्नानुसार है–

प्रश्न-पत्र	समय (घण्टे)	प्रश्न-पत्र के लिए अंक	सत्रांक	पूर्णांक
एक	3.15	80	20	100

अधिगम क्षेत्र	अंक
अपठित बोध	12
रचना	14
व्यावहारिक-व्याकरण	10
पाठ्यपुस्तक : क्षितिज- भाग 2	34
पूरक-पुस्तक : कृतिका- भाग 2	10

1. अपठित बोध : **12**

(i) अपठित गद्यांश (छः अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न) (6 प्रश्न × 1 अंक) = 6

(ii) अपठित पद्यांश (छः अतिलघूत्तरात्मक प्रश्न) (6 प्रश्न × 1 अंक) = 6

2. रचना : **14**

(i) संकेत-बिंदुओं पर आधारित किसी एक आधुनिक विषय पर निबंध-लेखन (विकल्प सहित) लगभग 300 शब्दों में 6

(ii) पत्र-लेखन (औपचारिक / अनौपचारिक पत्र) (विकल्प सहित) 4

(iii) विषय से सम्बन्धित विज्ञापन लेखन 25-50 शब्दों में (विकल्प सहित) 4

3. व्यावहारिक-व्याकरण : **10**

(दो बहुचयनात्मक, छः रिक्त स्थान पूर्ति के प्रश्न एवं एक लघूत्तरात्मक प्रश्न)

(i) पद भेद-संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया और अव्यय 4

(ii) उपसर्ग एवं प्रत्यय 2

(iii) संधि और समास 2

(iv) मुहावरे और लोकोक्तियाँ पाठ्यपुस्तक के आधार पर 2

4. पाठ्यपुस्तक एवं पूरक पुस्तक :

पाठ्यपुस्तक : क्षितिज **34**

(i) किन्हीं दो पठित गद्यांशों के विकल्प में से किसी एक पर अर्थग्रहण सम्बन्धी चार प्रश्न 4

(ii) किन्हीं दो पठित पद्यांशों के विकल्प में से किसी एक पर अर्थग्रहण सम्बन्धी चार प्रश्न 4

(iii) 2 दीर्घ उत्तरात्मक प्रश्न (1 गद्य एवं 1 पद्य भाग से विकल्प सहित)
(60-80 शब्द) 2 प्रश्न × 3 अंक = 6

(iv) 4 लघूत्तरात्मक प्रश्न (2 गद्य एवं 2 पद्य भाग से) (40 शब्द) 4 प्रश्न × 2 अंक = 8

(v) 8 बहुचयनात्मक प्रश्न (4 गद्य एवं 4 पद्य भाग से) 8 प्रश्न × 1 अंक = 8

(vi) किन्हीं एक रचनाकार का परिचय (कवि अथवा लेखक के विकल्प में) (80-100 शब्द) 4

पूरक-पुस्तक : कृतिका **10**

(i) पाठों पर आधारित दो में से एक निबन्धात्मक प्रश्न (80-100 शब्द) 1 प्रश्न × 4 अंक = 4

(ii) 2 लघूत्तरात्मक प्रश्न (40 शब्द) 2 प्रश्न × 2 अंक = 4

(iii) 2 बहुचयनात्मक प्रश्न 2 प्रश्न × 1 अंक = 2

निर्धारित पाठ्यपुस्तकें :

1. **क्षितिज–भाग 2**—एन.सी.ई.आर.टी. से प्रतिलिप्याधिकार अन्तर्गत प्रकाशित
2. **कृतिका–भाग 2**—एन.सी.ई.आर.टी. से प्रतिलिप्याधिकार अन्तर्गत प्रकाशित

नोट– विद्यार्थी उपर्युक्त पाठ्यक्रम को माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की Website पर उपलब्ध अधिकृत पाठ्यक्रम से मिलान अवश्य कर लें। माध्यमिक शिक्षा बोर्ड की Website पर उपलब्ध पाठ्यक्रम ही मान्य होगा।

विषय-सूची

क्षितिज भाग-2

काव्य-खण्ड

1. सूरदास		1–12
2. तुलसीदास		12–25
3. जयशंकर प्रसाद		25–35
4. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'		35–43
5. नागार्जुन		43–54
6. मंगलेश डबराल		54–63

गद्य-खण्ड

7. नेताजी का चश्मा	स्वयं प्रकाश	64–76
8. बालगोबिन भगत	रामवृक्ष बेनीपुरी	76–88
9. लखनवी अंदाज	यशपाल	88–96
10. एक कहानी यह भी	मन्नू भण्डारी	96–108
11. नौबतखाने में इबादत	यतीन्द्र मिश्र	108–121
12. संस्कृति	भदंत आनन्द कौसल्यायन	121–130

कृतिका भाग-2

1. माता का अँचल	शिवपूजन सहाय	131–141
2. साना साना हाथ जोड़ि·····	मधु कांकरिया	141 153
3. मैं क्यों लिखता हूँ?	अज्ञेय	153–160

व्यावहारिक व्याकरण

1. पद-भेद-संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया और अव्यय	161–185
2. उपसर्ग	185–193
3. प्रत्यय	193–201
4. सन्धि	201–209
5. समास	209–214
6. मुहावरे और लोकोक्तियाँ	214–235

रचना

1. निबन्ध-लेखन

1. साइबर अपराध के बढ़ते कदम
   अथवा
   सूचना प्रौद्योगिकी में बढ़ते अपराध 236
2. कृत्रिम बुद्धिमता वरदान या अभिशाप
   अथवा
   कृत्रिम बुद्धिमता
   अथवा
   कृत्रिम बुद्धिमता मानवता के लिए घातक है 237
3. मेक इन इंडिया **अथवा** स्वदेशी उद्योग 238
4. आत्मनिर्भर भारत 239
5. भारत में कोरोना महामारी प्रबन्धन **अथवा** वैश्विक महामारी कोरोना 239
6. भारतीय नारी तब और अब **अथवा** राष्ट्रीय विकास में नारी की भागीदारी 240
7. राष्ट्र निर्माण में युवाओं का योगदान 241
8. बढ़ते हुए फैशन का दुष्प्रभाव **अथवा** फैशन की व्यापकता और उसका दुष्प्रभाव 242
9. प्लास्टिक थैली : पर्यावरण की दुश्मन
   अथवा
   प्लास्टिक कैरी बैग्स : असाध्य रोगवर्धक 242
10. कन्या भ्रूण हत्या : लिंगानुपात की समस्या
    अथवा
    कन्या भ्रूण हत्या : एक जघन्य अपराध 243
11. आतंकवाद : एक विश्व समस्या **अथवा** आतंकवाद : समस्या एवं समाधान 244
12. रोजगार गारंटी योजना : मनरेगा **अथवा** गाँवों के विकास की योजना : मनरेगा 245
13. राजस्थान में गहराता जल संकट **अथवा** राजस्थान में बढ़ता जल-संकट 246
14. बाल विवाह : एक अभिशाप 246
15. आतंकवाद : भारत के लिए चुनौती
    अथवा
    आतंकवाद : भारत की विकट समस्या 247
16. दहेज-प्रथा **अथवा** समाज का अभिशाप : दहेज प्रथा 248
17. वैश्विक महँगाई **अथवा** मूल्यवृद्धि : एक ज्वलन्त समस्या
    अथवा
    बढ़ती महँगाई : एक विकराल समस्या 248
18. पर्यावरण प्रदूषण **अथवा** पर्यावरण प्रदूषण : कारण और निवारण 249
19. भ्रष्टाचार : एक विकराल समस्या **अथवा** भ्रष्टाचार और गिरते सांस्कृतिक मूल्य 250
20. बढ़ते वाहन : घटता जीवन-धन **अथवा** वाहन-वृद्धि से स्वास्थ्य-हानि 251
21. युवा वर्ग में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति **अथवा** नशाखोरी : एक सामाजिक अभिशाप 251
22. बेरोजगारी : समस्या और समाधान **अथवा** रोजगार के घटते साधन 252
23. नारी सशक्तीकरण 253

24. मातृभाषा और उसका महत्त्व 254
25. सर्व शिक्षा अभियान **अथवा** जीवन में शिक्षा का महत्त्व 254
26. बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ 255
27. शिक्षित नारी : सुख समृद्धिकारी **अथवा** नारी-शिक्षा का महत्त्व 256
28. कम्प्यूटर शिक्षा का महत्त्व **अथवा** कम्प्यूटर शिक्षा की आवश्यकता 256
29. निरक्षरता : एक अभिशाप 257
30. विद्यार्थी जीवन में नैतिक शिक्षा की उपयोगिता
अथवा
नैतिक शिक्षा की महत्ती आवश्यकता 258
31. इन्टरनेट की उपयोगिता **अथवा** विद्यार्थी जीवन में इन्टरनेट की भूमिका 259
32. मोबाइल फोन : वरदान या अभिशाप **अथवा** मोबाइल फोन : छात्र के लिए वरदान या अभिशाप 260
33. आधुनिक सूचना-प्रौद्योगिकी **अथवा** सूचना क्रांति के युग में भारत 260
34. कम्प्यूटर के बढ़ते कदम और प्रभाव **अथवा** कम्प्यूटर के बढ़ते चरण 261
35. दूरदर्शन : वरदान या अभिशाप **अथवा** युवा पीढ़ी पर दूरदर्शन का प्रभाव 262
36. मानव के लिए विज्ञान-वरदान या अभिशाप **अथवा** विज्ञान के बढ़ते कदम 262
37. समय का सदुपयोग 263
38. जल संरक्षण : हमारा दायित्व **अथवा** जल है तो जीवन है 264
39. अनुशासनपूर्ण जीवन ही वास्तविक जीवन है **अथवा** विद्यार्थी एवं अनुशासन 265
40. वर्तमान की महत्ती आवश्यकता : राष्ट्रीय एकता **अथवा** राष्ट्रीय एकता
अथवा
राष्ट्रीय एकता की आवश्यकता 265
41. समाज-निर्माण में पत्र-पत्रिकाओं की भूमिका **अथवा** समाचार-पत्रों का महत्त्व 266
42. कटते जंगल : घटता मंगल 267
43. राजस्थान के मेले 267
44. ऋतुराज वसन्त **अथवा** प्रकृति का सौन्दर्य : वसन्त 268
45. त्योहारों का महत्त्व **अथवा** त्योहार : जनमंगल के आधार 268
46. राजस्थान के प्रमुख पर्वोत्सव **अथवा** राजस्थान के त्योहार 269
47. स्वास्थ्य ही श्रेष्ठ धन है
अथवा
स्वस्थ जीवन सुख का आधार 270
48. भारत में स्वास्थ्य सेवाओं की चुनौती 270
49. स्वच्छ भारत अभियान **अथवा** राष्ट्रीय स्वच्छता अभियान 271
50. खुला-शौचमुक्त अभियान 272
51. भारतीय संस्कृति का अनुपम उपहार : योग **अथवा** योग भगाए रोग 272
52. शिक्षा में खेलकूद का महत्त्व **अथवा** जीवन में खेलों का महत्त्व 273
53. राजस्थान के प्रमुख लोकदेवता 274

54. राजस्थान के लोकगीत 274
55. नखरालो राजस्थान 275
56. मेरे सामने घटित भीषण दुर्घटना **अथवा** जीवन की वह चिरस्मरणीय घटना 275
57. गुरुजी जिन्हें मैं भूला नहीं सकता **अथवा** मेरे आदरणीय गुरुजी 276
58. जीवन की वह चिरस्मरणीय यात्रा **अथवा** किसी रोचक यात्रा का वर्णन 277
59. चुनाव का एक दृश्य **अथवा** चुनाव की हलचल 277
60. मेरा प्रिय नेता (युग पुरुष महात्मा गाँधी) 278
61. मेरा प्रिय कवि
अथवा
मेरा प्रिय साहित्यकार : गोस्वामी तुलसीदास 279
62. मेरी प्रिय पुस्तक : रामचरितमानस 279
63. इक्कीसवीं सदी का भारत **अथवा** मेरे सपनों का भारत 280
64. मुझे गर्व मेरे भारत पर **अथवा** मेरा भारत महान् 280
65. यदि मैं भारत का प्रधानमंत्री होता 281
66. पर्यावरण संरक्षण परमावश्यक **अथवा** पर्यावरण संरक्षण के उपाय 282
67. उपभोक्ता और भारतीय संस्कृति **अथवा** उपभोक्ता संस्कृति का बढ़ा कुप्रभाव 282
68. यातायात सुरक्षा **अथवा** सड़क सुरक्षा : जीवन सुरक्षा 283
69. मनोरंजन के आधुनिक साधन 284
70. भारतीय संस्कृति में पर्यावरण संरक्षण **अथवा** पर्यावरण संरक्षण : हमारा दायित्व 284
71. युवा वर्ग में असन्तोष–कारण और निवारण 285
72. आदर्श विद्यार्थी 285
73. वर्तमान समस्याएँ एवं निराकरण में युवाओं का योगदान
अथवा
सामाजिक विकास में युवाओं का सहकार 286
74. इलेक्ट्रिक वाहन : आज की आवश्यकता 286
75. सोशल मीडिया का बढ़ता प्रयोग एवं उसका प्रभाव 287

2. पत्र-लेखन (औपचारिक एवं अनौपचारिक पत्र) 288-316

3. विज्ञापन-लेखन 317-330

अपठित बोध

(i) अपठित गद्यांश 331-344

(ii) अपठित पद्यांश 344-355

माध्यमिक परीक्षा, 2023

हिन्दी

समय : 3 घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 80**

परीक्षार्थियों के लिए सामान्य निर्देश :

1. परीक्षार्थी सर्वप्रथम अपने प्रश्न-पत्र पर नामांक अनिवार्यत: लिखें।
2. **सभी** प्रश्न हल करने अनिवार्य हैं।
3. प्रत्येक प्रश्न का उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका में ही लिखें।
4. जिन प्रश्नों में आन्तरिक खण्ड हैं, उन सभी के उत्तर एक साथ ही लिखें।
5. प्रश्न का उत्तर लिखने से पूर्व प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।

खण्ड-अ

प्रश्न 1. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए— **[5 × 1 = 5]**

सभ्यता की वर्तमान स्थिति में एक व्यक्ति को दूसरे व्यक्ति से वैसा भय तो नहीं रहा जैसा पहले रहा करता था, पर एक जाति को दूसरी जाति से, एक देश को दूसरे देश से, भय के स्थायी कारण प्रतिष्ठित हो गए हैं। सबल और सबल देशों के बीच अर्थ-संघर्ष की, सबल और निर्बल देशों के बीच अर्थ शोषण की प्रक्रिया अनवरत चल रही है, एक क्षण का विराम नहीं है। इस सार्वभौम वणग्वृत्ति से उसका अनर्थ कभी न होता यदि क्षात्रवृत्ति उसके लक्ष्य से अपना लक्ष्य अलग रखती। पर इस युग में दोनों का विलक्षण सहयोग हो गया है। वर्तमान अर्थोन्माद को शासन के भीतर रखने के लिए क्षात्रधर्म के उच्च और पवित्र आदर्श को लेकर क्षात्रसंघ की प्रतिष्ठा आवश्यक है।

(1) उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक है—
(अ) भय (ब) प्रसन्नता (स) आश्चर्य (द) निर्वेद

(2) एक देश को दूसरे देश से भय के कारण हो गए हैं—
(अ) निर्बल (ब) सबल (स) स्थायी (द) क्षणिक

(3) सबल और निर्बल देशों के बीच अनवरत चल रही है—
(अ) शोषण की प्रक्रिया (ब) भय जनित प्रक्रिया
(स) शंका की प्रक्रिया (द) भाईचारे की प्रक्रिया

(4) क्षात्रवृत्ति किस वृत्ति से भिन्न है?
(अ) वणग्वृत्ति से (ब) क्षात्रधर्म से (स) शस्त्रवृत्ति से (द) क्षात्रकर्म से

(5) उच्च और पवित्र आदर्श के लिए किसकी प्रतिष्ठा आवश्यक है?
(अ) वणिक संघ की (ब) भय निवृत्ति संघ की
(स) विप्र संघ की (द) क्षात्रसंघ की

निम्नलिखित अपठित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए— **[5 × 1 = 5]**

किन्तु यह झंझट है भारी, युद्ध क्षेत्र संसार बना।
चिंता के चक्कर में पड़कर जीवन भी है भार बना॥
आजा बचपन एक बार फिर दे दे अपनी निर्मल शान्ति।
व्याकुल व्यथा मिटाने वाली यह अपनी प्राकृत विश्रांति॥
वह भोली सी मधुर सरलता, वह प्यारा जीवन निष्पाप।
क्या आकर फिर मिटा सकेगा तू मेरे मन का संताप॥
मैं बचपन को बुला रही थी बोल उठी बिटिया मेरी।
नंदन वन-सी फूल उठी वह छोटी सी कुटिया मेरी॥

(6) उपर्युक्त काव्यांश का उचित शीर्षक है—
(अ) वृद्धावस्था (ब) बचपन (स) यौवन (द) जरावस्था

(7) कवयित्री के अनुसार चिंता के चक्कर में जीवन कैसा बन गया?
(अ) भार (ब) हल्का (स) सुखी (द) प्रसन्न

(8) निर्मल शब्द का अर्थ है—
(अ) पवित्र (ब) निस्सहाय (स) निर्वेद (द) सबल

(9) उपर्युक्त काव्यांश में संताप मिटाने वाला है—
(अ) परिवार (ब) सहयोगी (स) बचपन (द) यौवन

(10) नंदनवन-सी क्या फूल उठी?
(अ) उपवन (ब) बगिया (स) उद्यान (द) कुटिया

(11) 'मैं क्यों लिखता हूँ' पाठ में लेखक ने किस विभीषिका का वर्णन किया है? [1]
(अ) हिरोशिमा के परमाणु विस्फोट का (ब) भोपाल की गैस दुर्घटना का
(स) दिल्ली के दंगों का (द) एक सुखद अनुभूति जो दुःख में बदल गई।

(12) ''जब बाबू जी रामायण का पाठ करते तब हम उनकी बगल में बैठे-बैठे आइने में अपना मुँह निहारा करते थे।'' उपर्युक्त पंक्ति किस पाठ से उद्धृत है? [1]
(अ) जार्ज पंचम की नाक (ब) माता का अँचल
(स) साना-साना हाथ जोड़ि (द) एही ठैयां झुलनी हे रानी हो रामा

प्रश्न 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए— [6 × 1= 6]

(1) प्रायः गुण-दोष, अवस्था, व्यापार अमूर्तभाव तथा क्रिया ..... संज्ञा के अन्तर्गत आते हैं।
(2) ऐसे सर्वनाम जिसका प्रयोग वक्ता या लेखक (स्वयं) अपने लिए करते हैं वे ..... कहलाते हैं।
(3) जिस वाक्य में क्रिया का प्रभाव या फल केवल कर्ता पर ही पड़ता है, उसे ..... क्रिया कहते हैं।
(4) परिमाण वाचक विशेषण के ..... उपभेद हैं।
(5) हिन्दी भाषा में मुख्यतः ..... प्रकार के उपसर्ग प्रचलित हैं।
(6) वे प्रत्यय जो धातु अथवा क्रिया के अन्त में लगकर नए शब्दों की रचना करते हैं उन्हें ..... प्रत्यय कहते हैं।

प्रश्न 3. निम्नलिखित अतिलघूत्तरात्मक प्रश्नों के उत्तर लिखिए। (प्रत्येक प्रश्न के लिए उत्तर-सीमा लगभग 20 शब्द)— [12 × 1= 12]

(1) यण संधि को उदाहरण सहित समझाइए।
(2) द्विगु एवं द्वन्द्व समास में अन्तर लिखिए।
(3) 'कीचड़ उछालना' मुहावरे का अर्थ लिखिए।
(4) 'एकै साधे सब सधै, सब साधे सब जाय' लोकोक्ति का अर्थ लिखिए।
(5) 'बालगोबिन भगत' पाठ के माध्यम से लेखक ने क्या दर्शाया है?
(6) नवाब साहब ने खीरे की सब फाँकों को खिड़की से बाहर फेंककर तौलिए से हाथ और होंठ पोंछकर किस भाव को दर्शाया?
(7) 'मानवीय करुणा की दिव्य चमक' संस्मरण किसके संबंध में है?
(8) 'एक कहानी यह भी' पाठ में मन्नू भण्डारी पर किस-किस का प्रभाव अधिक उभर कर आया है?
(9) गोपियों ने हारिल की लकरी किसे कहा है?
(10) 'मोतिन की जोति मिल्यो मल्लिका को मकरंद' का भाव स्पष्ट कीजिए।
(11) ''खैरियत चाहते हो तो अपना यह कफ़न लेकर यहाँ से सीधे चले जाओ!''
उपर्युक्त वाक्य किसने किससे कहे?
(12) ''दरअसल मंत्रमुग्ध-सी मैं तंद्रिल अवस्था में ही थोड़ी दूर तक निकल आई थी कि अचानक पाँवों पर ब्रेक सी लगी ..... जैसे समाधिस्थ भाव में नृत्य करती किसी आत्मलीन नृत्यांगना के नुपूर अचानक टूट गए हों।'' लेखिका ने ऐसा क्यों कहा?

खण्ड-ब

निर्देश–प्रश्न संख्या 4 से 16 तक के लिए प्रत्येक प्रश्न के लिए अधिकतम उत्तर सीमा 40 शब्द हैं।

प्रश्न 4. कैप्टन ने नेताजी की मूर्ति पर चश्मा क्यों लगाया? [2]

प्रश्न 5. ''भगत का निर्णय अटल था। तू जा, नहीं तो मैं ही इस घर को छोड़कर चल दूँगा।'' बालगोबिन भगत ने ऐसा क्यों कहा? [2]

प्रश्न 6. लेखक के गाड़ी में बैठने पर नवाब साहब ने क्या प्रतिक्रिया की? लखनवी अंदाज पाठ के आधार पर लिखिए। [2]

प्रश्न 7. फादर कामिल बुल्के के व्यक्तित्व की कोई दो विशेषताएँ लिखिए। [2]

प्रश्न 8. गोपियों को उद्धव का संदेश पसंद क्यों नहीं आया? [2]

प्रश्न 9. लक्ष्मण के वचनों से बढ़े हुए परशुराम जी के क्रोध को किसने और कैसे शान्त किया? [2]

प्रश्न 10. 'संगतकार' कविता किसके महत्त्वपूर्ण योगदान को दर्शाती है? [2]

प्रश्न 11. ''कि उसे सुख का आभास तो होता था लेकिन दु:ख बाँचना नहीं आता था।'' कवि ऋतुराज ने ऐसा क्यों कहा? [2]

प्रश्न 12. 'कवी-लोंग स्टॉक' जगह का क्या महत्त्व है? साना साना हाथ जोड़ि पाठ के आधार पर लिखिए। [2]

प्रश्न 13. मूर्तिकार ने अन्त में जार्ज पंचम की नाक का क्या हल निकाला? [2]

प्रश्न 14. 'माता का अँचल' पाठ के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए। [2]

प्रश्न 15. कवि ऋतुराज के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को संक्षेप में लिखिए। [2]

अथवा

कवि सूरदास के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को संक्षेप में लिखिए।

प्रश्न 16. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को संक्षेप में लिखिए। [2]

अथवा

मन्नू भण्डारी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को संक्षेप में लिखिए।

खण्ड-स

प्रश्न 17. निम्नलिखित पठित गद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। [1+2=3]

फ़ादर बुल्के संकल्प से संन्यासी थे। कभी-कभी लगता है वे मन से संन्यासी नहीं थे। रिश्ता बनाते थे तो तोड़ते नहीं थे। दसियों साल बाद मिलने के बाद भी उसकी गंध महसूस होती थी। वह जब भी दिल्ली आते ज़रूर मिलते-खोजकर, समय निकालकर, गर्मी सर्दी बरसात झेलकर मिलते, चाहे दो मिनट के लिए ही सही। यह कौन संन्यासी करता है? उनकी चिंता हिन्दी को राष्ट्रभाषा के रूप में देखने की थी। हर मंच से इसकी तकलीफ बयान करते, इसके लिए अकाट्य तर्क देते। बस इसी एक सवाल पर उन्हें झुँझलाते देखा है और हिन्दी वालों द्वारा ही हिन्दी की उपेक्षा पर दु:ख करते उन्हें पाया है।

अथवा

संस्कृति के नाम से जिस कूड़े-करकट के ढेर का बोध होता है, वह न संस्कृति है न रक्षणीय वस्तु। क्षण-क्षण परिवर्तन होने वाले संसार में किसी भी चीज को पकड़कर बैठा नहीं जा सकता। मानव ने जब-जब प्रज्ञा और मैत्री भाव से किसी नए तथ्य का दर्शन किया है तो उसने कोई वस्तु नहीं देखी है, जिसकी रक्षा के लिए दलबंदियों की जरूरत है। मानव संस्कृति एक अविभाज्य वस्तु है और उसमें जितना अंश कल्याण का है, वह अकल्याण कर की अपेक्षा श्रेष्ठ ही नहीं स्थायी भी है।

प्रश्न 18. निम्नलिखित पठित पद्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। [1 + 2 = 3]

डार द्रुम पलना बिछौना नव पल्लव के,
सुमन झिंगूला सोहै तन छबि भारी दै।
पवन झूलावै, केकी – कीर बतरावैं 'देव'
कोकिल हलावे – हुलसावै कर तारी दै॥
पूरित पराग सों उतारो करै राई नोन,
कंजकली नायिका लतान सिर सारी दै।

मदन महीप जू को बालक बसंत ताहि,
प्रातहि जगावत गुलाब चटकारी दै।

अथवा

तारसप्तक में जब बैठने लगता है उसका गला
प्रेरणा साथ छोड़ती हुई उत्साह अस्त होता हुआ
आवाज से राख जैसा कुछ गिरता हुआ
तभी मुख्य गायक को ढाँढ़स बँधाता
कहीं से चला आता है संगतकार का स्वर
कभी-कभी वह यों ही दे देता है उसका साथ
यह बताने के लिए कि वह अकेला नहीं हैं
और यह फिर से गाया जा सकता है।

प्रश्न 19. लेखक महावीर प्रसाद द्विवेदी ने स्त्रीशिक्षा के महत्त्व को किस प्रकार सिद्ध किया?
(उत्तर सीमा लगभग 60 शब्द) [3]

अथवा

''संगीत एक आराधना है।'' कैसे? 'नौबतखाने में इबादत' पठित पाठ के आधार पर स्पष्ट कीजिए।
(उत्तर सीमा लगभग 60 शब्द)

प्रश्न 20. 'आत्मकथ्य' कविता का मूल भाव स्पष्ट कीजिए। (उत्तर सीमा लगभग 60 शब्द) [3]

अथवा

'उत्साह' कविता में कवि ने बादल के माध्यम से क्या संदेश दिया है? (उत्तर सीमा लगभग 60 शब्द)

खण्ड-द

प्रश्न 21. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 300 शब्दों में एक निबंध लिखिए। [4]

(अ) जीवन में शिक्षा का महत्त्व
(i) प्रस्तावना (ii) शिक्षा का अर्थ (iii) शिक्षा से जीवन का विकास (iv) शिक्षा के विविध महत्त्व (v) उपसंहार

(ब) वैश्विक महँगाई
(i) महंगाई का अर्थ (ii) महंगाई के कारण (iii) महंगाई से जन समस्याएँ (iv) महंगाई से निपटने के उपाय (v) उपसंहार

(स) स्वस्थ जीवन सुख का आधार
(i) स्वास्थ्य का अर्थ (ii) स्वास्थ्य पर आधारित भोजन (iii) स्वास्थ्य कमजोर होने के कारण (iv) स्वास्थ्य सुधार के उपाय (v) उपसंहार

(द) मेरा प्रिय कवि
(i) प्रिय कवि का नाम (ii) प्रिय होने के कारण (iii) रचनाएँ एवं व्यक्तित्व (iv) सामाजिक महत्त्व (v) उपसंहार

प्रश्न 22. स्वयं को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय विशालपुर का नरेन्द्र मानकर प्रधानाचार्य महोदय से खेल सामग्री मँगवाने हेतु एक प्रार्थना-पत्र लिखिए। [4]

अथवा

स्वयं को रसालगढ़ का निवासी सुरेश मानकर अपने छोटे भाई मोहन को शिक्षा का महत्त्व बताते हुए एक पत्र लिखिए।

प्रश्न 23. दिव्यांग बच्चों द्वारा बनाई मिट्टी की मूर्तियों के बिक्री हेतु एक विज्ञापन लिखिए।
(उत्तर सीमा 25-50 शब्द) [4]

अथवा

वसन्त ऋतु में विद्यालय के उद्यान में पुष्प प्रदर्शनी देखने के लिए आने हेतु एक विज्ञापन लिखिए।
(उत्तर सीमा 25-50 शब्द)

❑❑❑